|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| **查经课** | **章节** | **中心思想** | **訓言** |
| 申命记一 | 1 | 绪论 | 摩西慈父叮嚀(1): 第1篇訓言(1:1 – 4:43): 神的作为 |
| 申命记二 | 1:1-18 | 第一講章训言(1):歷史回顾 |
| 申命记三 | 1:19-46 | 第一講章训言(2):歷史回顾 |
| 申命记四 | 2:1-4:14 | 第一講章训言(3):歷史回顾 |
| 申命记五 | 4:15-43 | 第一講章训言(4):祝福和咒诅 |
| 申命记六 | 4:44-5:21 | 第二講章训言(1):劝勉民众要听神的要求:十誡 | 摩西慈父叮嚀(1): 第2篇訓言(4:44 – 28:68): 神的律法 |
| 申命记七 | 5:22-33 | (2)神的要求 |  |
| 申命记八 | 6:1-25 | (3)正当与神的关系:謹慎不忘-敬畏神-不可试探神-遵行  |  |
| 申命记九 | 7:1-26 | (4)在迦南原住民中要圣洁  |  |
| 申命记十 | 8:1-20 | (5)不要忘记神恩  |  |
| 申命记十一 | 9:1-29 | (6)不要忘记神恩  |  |
| 申命记十二 | 10:1-22 | (6)不要忘记神恩  |  |
| 申命记十三 | 11:1-32 | (7)不要忘记神恩  |  |
| 申命记十四 | 12:1-32 | (8)如何敬畏神 |  |
| 申命记十五 | 13:1-18 | (9)如何敬畏神 |  |
| 申命记十六 | 14:1-15:18 | (10)如何敬畏神  |  |
| 申命记十七 | 16:1-22 | (11)国家组织(1) |  |
| 申命记十八 | 17:1-20 | (12)国家组织(2) |  |
| 申命记十九 | 18:1-22 | (13)国家组织(3) |  |
| 申命记二十 | 19:1-20:20 | (14)国家组织(4) |  |
| 申命记二十一 | 21:1-23 | (15)其他律法 |  |
| 申命记二十二 | 22:1-30 | (16)其他律法 |  |
| 申命记二十三 | 23:1-25 | (17)其他律法 |  |
| 申命记二十四 | 24:1-22 | (18)其他律法 |  |
| 申命记二十五 | 25:1-19 | (19)其他律法 |  |
| 申命记二十六 | 26:1-19 | (20)礼仪 |  |
| 申命记二十七 | 27:1-26 | (21)盟约规定 |  |
| 申命记二十八 | 28:1-68 | (22)祝福和咒诅 |  |
| 申命记二十九 | 29:1-29 | 第三講章训言(1):覆述盟约要求 | 摩西慈父叮嚀(2):第3篇訓言(29:1 – 30:20): 盟约之要求和摘要 |
| 申命记三十 | 30:1-20 | 第三講章训言(2):覆述盟约要求 |
| 申命记三十一 | 31:1-29 | 最后训言嘱咐: 交棒给约书亚，劝导 | 摩西慈父叮嚀(2):臨別訓言(31:1 – 34:12): 摩西的遺言和离世 |
| 申命记三十二 | 31:30-32:50 | 摩西之歌:虽然人背叛, 神仍是信实 |  |
| 申命记三十三 | 33:1-29 | 摩西祝福十一支派 |  |
| 申命记三十四 | 34:1-12 | 摩西死 |  |